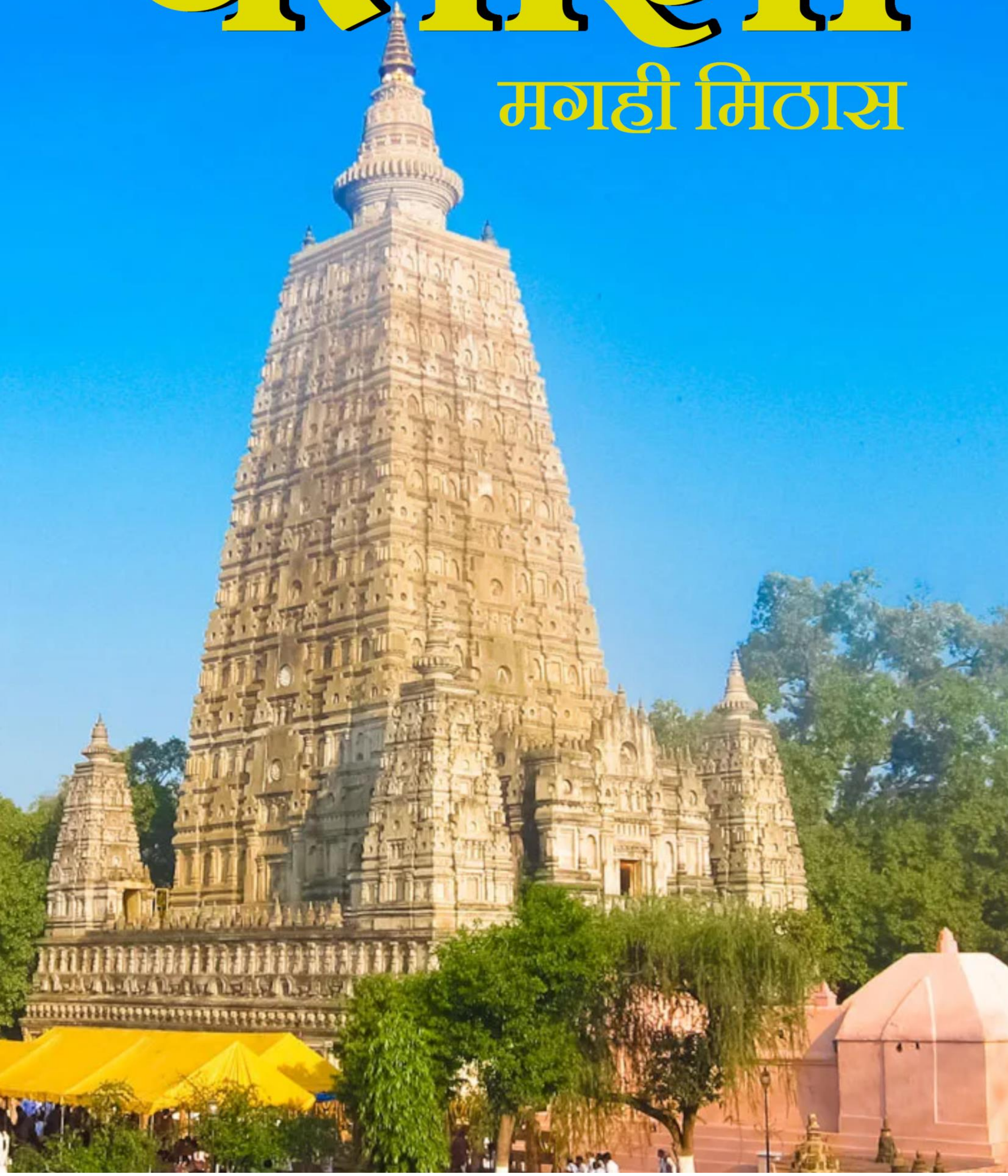
त्रैमासिक मगही पत्रिका | अंक - १, मार्च २०२४

बताशा

मगही मिठास



||श्री गणेशाय नमः||

प्रधान संपादक

सत्य नारायण सिंह

संपादक मंडल

मधु कुमारी

ऋषीषेक

सम्राट लोकेश महतो

प्रथम पृष्ठ आकृति आऊ रचना

सत्य नारायण सिंह

सामग्री सूचि

संपादक के कलम से 4
मंजर से लद्दल 5
ओ प्रिये 6
जादू बला पतिला 7
नासा के महाप्रयोग 10
कइसे होतई परीक्षण 12
पृथ्वी के निकट मौजूद एस्टेरॉयड 14
कार्टून के कोना 16
संवाद 17
नेता जी से संवाद: 17
आईएएस, आईपीएस से संवाद: 17
सरकारी कर्मचारी से संवाद: 18
युवा छात्रगण से संवाद: 18
कवी, साहित्यकार (रचनाकार) से संवाद: 19
अभिवावक गण से संवाद: 19
अमरपाली आऊ गौतम बुद्ध 20



संपादक के कलम से

प्यारे मित्रगण, नमस्कार। बहुत दिन से मने मने सोच रहलिओ हल कि मगही के एगो पत्रिका निकालल जाए, उ इकक्षा आज पूरा हो रहलो हे। आज ई मौका पर हम उ सब भाई बंधु के धन्यवाद देवे ला चाह हीययी, जे जे हमरा ई पत्रिका निकाले मे हरदम प्रोत्साहित कैलथीन। खास कर के जे लोग एक्स (पहिले ट्विटर) पर जुड़ल हथिन।

> जे अपन संस्कृति आउ भाषा पर गर्व न करे ओकरा रहना आउ न रहना बरावर हई। हम इतिहास में न जैबो की बिम्बिसार की कइलथिन, अशोका केगो भाई के मार के राजा बनलथिन हमे बात करबो हमनी का कर सका हियाई आउ हमनी कैसे करबइ। मगही ला अब सब के मिल के काम करे पडतो, एक एक आदमी के, चाहे कहीं रहे दुनिया में, अगर उ मगही हइ त मगही ला आगे आवे पडतयी।

हमर मुख्य मुद्दा हमेशा से मगही के आगे बढ़ावे आऊ मगही मे रचाना करे के रहलो ह। जब भी हम एक्स पर मगही मे लिखाहीये, बहुत जादे लोग न हथिन जे उ पोस्ट के पढ़ या पढ़ के पसंद करऽ हथिन। लेकिन हमर हरदम कोसिस रहऽ हो कि मगही मे समवाद कैल जाए । ओकारे अगला पाड़ाव हो ई बताशा। हम हमेशा से ई बात पर जोर दे हीययी कि मगही पिछड़ल न हई हमनी पिछड़ल हियै अगर अइसन सोचा हिययी। जे अपन संस्कृति आउ भाषा पर गर्व न करे ओकरा रहना आउ न रहना बरावर हई। हम इतिहास में न जैबो की बिम्बिसार की कइलथिन, अशोका केगो भाई के मार के राजा बनलथिन हमे बात करबो हमनी का कर सका हियाई आउ हमनी कैसे करबइ। मगही ला अब सब के मिल के काम करे पडतो एक एक आदमी चाहे कहीं रहे दुनिया में अगर जे उ मगही हइ त मगही ला आगे आवे पडतयी। अपने सब के सामग्री के इंतजार रहतई जे अपने हमर ईमेल पर भेज सकलथिन हे।

च ल बाँटल जाये **बताशा**, मगही मिठास !



सत्य नारायण सिंह
(astra.satya1@gmail.com)

कविता

मंजर से लद्दल

(सत्य नारायण सिंह)

मंजर से लद्दल उ आम के डाली,
हवा मे लहरैयते उ गेहूं के बाली।
याद हको हमरा उ अहरा के घोंघा,
लड़कन के बनवाल उ कागज के डोंगा।

ताजा पिसाल उ चना के सत्तु,
दलनियाँ में रक्खल, उ भूसी आउ कट्टू।
याद हको हमारा उ लबणी में ताड़ी,
घरे से जनईते उ राजगीर पहाड़ी।

कियारी मे रोपल उ साग आउ बैगनवां
पसोरा हलयी धान पूरे अंगनवां
याद हको हमरा, उ गली में लड़कन
जाड़ा मे तापते आग, लड़कन आउ बड़कन।

मंजर से लद्दल उ आम के डाली,
हवा मे लहरैयते उ गेहूं के बाली।
याद हको हमरा उ अहरा के घोंघा,
लड़कन के बनवाल उ कागज के डोंगा।

कविता

ओ प्रिये

(सत्य नारायण सिंह)

ओ प्रिये, प्रिये प्रिये
प्रिये प्रिये प्रियेतमाऽ

मन विचलित हई, मन हई कुंठित
मन विचलित हई, मन हई कुंठित
आके उमंग भर हु नऽ

ओ प्रिये, प्रिये प्रिये
प्रिये प्रिये प्रियेतमाऽ

हमतो फंसल हिओ नित्य भवंर मे
हमतो फंसल हिओ नित्य भवंर मे
तु अपन हाँथ दे हु नऽ

ओ प्रिये, प्रिये प्रिये
प्रिये प्रिये प्रियेतमाऽ

कहानी

जादू बला पतिला

(सम्राट लोकेश महतो)

पीतल नगरी मे एगो रामधनी नाम के किसान रहो हलखीन। उ खेतीय करके अपन जीवन यापन करो हलखीन। उनखरा पास पहले कुछ खेत हलय लेकिन उनखर बाऊ जी के मन दब रहो हलय। अपन बाऊ के देखाबे मे उनखरा पास जे खेत हलय उ सब बिक गेलय। अब तो घर-बार चलाबे मे अउ समसिया होबे लगलय साथे बाऊ जी के देखाना भी हलय। एकरा से उनखा बेसी चिंता सताबे लगलय। अब उ एगो भूपति(जमींदार) के खेत पर काम करे लगखीन। उ रोज सोचो हलखीन की घर के स्थिति कैसे बेस कर जाए। इहे चिंता मे उ एक दिन काम करे ले उ घर से उ जमींदारबा के खेत पर गेलखीन। जब उ खेता मे आर गोहटा दे रहलखिन हल तौ उनखर कुदरा से कुछ टकराय के आवाज अयलय। इ आवजिया सुन के ओजा खने लगखिन। जब खना गेलय तौ उनखा एगो पतिला मिललय। उ पतिलबा खाली हलय तौ उ सोचे लगखिन कि कुछ एकरा मे रहतेय हल तौ हम्मर घर के स्थिति मे कुछ सुधार आ जितेय हल लेकिन इ तो खाली है।

> जब इ समाचार जमींदार के मिललय कि रमधनीया के पास ढेर पैसा हो गेलय तब उ इ बतिया जाने के लिए रमधनीया के

उ उ कुदरा अउ पतिलबा के एके मे रख के खाय ले चल गेलखिन । खा के अयलखिन तौ देखलखिन कि ओजा ढेर मनी कुदार हो गेलय हे। उ अचंभा मे पड़ गेलखीन । फिर उ एगो खचीया जे ओजै धैल हलय उ पतिलबा पर धैलखिन तौ फिर से ढेर मनी खचीया बन गेलय। तौ उ समझ गेलखिन कि ई साधारण पतिला नय है। उ पतिलबा के लेके घर आ गेलखिन और एक एक करके अपन समान बनबे लगखिन अउ उ समनबा के बजरिया मे बेउ आबो हलखिन। रसे-रसे उनखर स्थिति ठीक हो गेलय अउ उनखा पास ढेर धन हो गेलय।

जब इ समाचार जमींदार के मिललय कि रमधनीया के पास ढेर पैसा हो गेलय तब उ इ बतिया जाने के लिए रमधनीया के घारा पहुंच गेलखिन। जमींदारबा इ पुछलखिन कि तो एतना अमीर कैसे हो गेलहो हे। तब उ पतिलबा के देखा के कहालखिन की एकरा चलते। जमींदारबा हसो लगलखिन अउ कहलखिन कि तो एकरा से कैसे पैसा बला हो जिभ्भो। तब उ पतिलबा मे एगो सोना बला हार डाल देलखिन ,फिर कि देखते देखते ढेर मनी हार बन गेलय। तब उ जमींदारबा कहलखिन कि तो इ पतलिबा के केकरा हीं से चोरैलोह हे,हमरा बताबो नय तौ हम रजबा के यहां एकर शिकायत करबो। डर के मारे रामधनी जी सब बता देलखिन।

तौ उ जमींदारबा कहलखिन कि तो हमर खेता से से एकरा लयलोह हे तौ इ हमर हो गेल्लो। अउ उ बल्लो उ पतिलबा के ले चल गेलखिन। जमींदार के पास पहले से ढेर मनी धन हलय जे कारण से उ रात भर अपन समनबा पतिलबा मे बारी बारी से रखते रहलखिन। इ कारण से उनखा पास ढेर धन हो गेलय ।

एकाएक एतना धन हो जाय से इ खबर राजा के पास चल गेलय। राजा भी इ बात जाने ले उतसुक हलय कि एतना पैसा केकरो ही एकाएक कैसै हो जीतय। इ पता लगाबे के लिए उ अपन मंतरी के कहलखिन। फिर पता चललय कि इ समन सब उ जादुई पतलिबा के कारण होलय तौ उ रजबा पतिलबा के बरीयारी मंगबा लेलकय। अब रजबो भी अलग अलग समान बनाबे लगलय। फिर रजबा के मन मे एगो कुबुद्धि अयलय अउ उ आस्ते से उ पतिलबा मे खड़ी हो गेलय। फिर कि रजबा नियन ढेर मनी राजा उ पतिलबा से निकले लगलय। एकर बाद उ सभ्भे रजबा अपने मे लड़े लगलय अउ एक दुसरे के मार देलकय। इ लड़ईया मे पतिलबो टूट गेलय। इ देख के किसनमा अउ जमींदार सोचलखिन कि कम से कम हमनी समन एकर बेस से उपयोग कयलिय अउ कौनो मुरुख बलाकाम नय कैलीय जे इ रजबा कैलकय।

विज्ञान

नासा के महाप्रयोग

(सत्य नारायण सिंह)



नासा के वैज्ञानिक एगो अंतरिक्ष यान से एसन टेकनीक के परीक्षण के तैयारी कर रहलथिन हें जेकरा से भविष्य में कोई ख़तरनाक उल्का या एस्ट्रॉयड के पृथ्वी से टकराये से रोकल जा सकले ह।

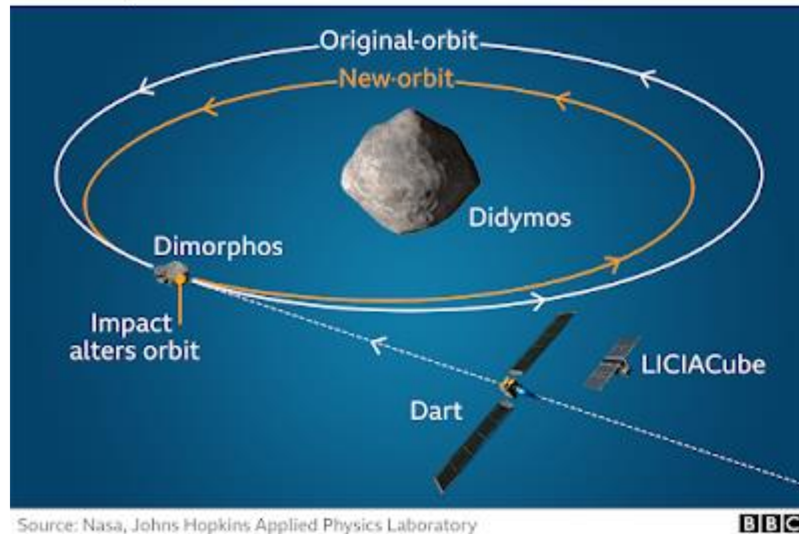
नासा के इ मिशन के नाम 'डार्ट मिशन' हई जेकर आधार पर उ पृथ्वी के ओर आवे वाला कोई भी बड़का अंतरिक्ष चट्टान के निष्क्रिय करे ला लंबा समय से चल रहेवाला प्रस्ताव के मूल्यांकन करतयी .

इ अंतरिक्ष यान डिमोर्फ़ोस नामक एगो आकाशीय पिंड या ऑब्जेक्ट से टकरैतयी। नासा के वैज्ञानिक इ देखेला चाह रहलथिन हें कि डिमोर्फ़ोस के गति आउ रास्ता के केतना

बदलल जा सकले ह। वैज्ञानिक जे काम करेला चाह रहलथिन हें ओकर अहमियत के अंदाज़ा इ बात से लगावल जा सकले हे कि अगर कुछ सौ मीटर के ब्रह्मांडीय मलबा (कॉस्मिक डेबरी) के एक हिस्सा पृथ्वी से टकरा जा हई , त इ एक पूरे महाद्वीप पर तबाही मचा सकले ह।हालांकि, डिमोफ़ोर्स से पृथ्वी के कोई ख़तरा न हई। इ भविष्य में पृथ्वी के ओर आवे वाला अइसन ख़तरा से निपटे के तरीका सीखे के पहला प्रयास हई , यानी कल को कोई ऐसन पिंड या मलबा धरती के ओर आव हई त ओकरा कैसे दूर रखल जा सकले ह।

नासा के प्लेनेटरी डिफ़ेंस के ऑर्डिनेशन ऑफ़िस के केली फास्ट कहलथिन , "डार्ट केवल डिमोर्फोस के कक्षा के अवधि में बस छोटा सा परिवर्तन करे के कोशिश हइ। आउ वास्तव में भविष्य में हमनी के ओर आवे वाला एस्ट्रॉयड के रोकेला बस एतने करे पड़तइ।

एस्टेरॉयड या उल्कापिंड, सौर मंडल के बचल खंड हइ , जेकरा में से अधिकांश से पृथ्वी के कोई ख़तरा न हइ। लेकिन जब ऐसन कोई चट्टान सूर्य के चक्कर लगइते हुए पृथ्वी के ओर बढ़ हई त टक्कर के संभावना हो स क हई।



कइसे होतई परीक्षण

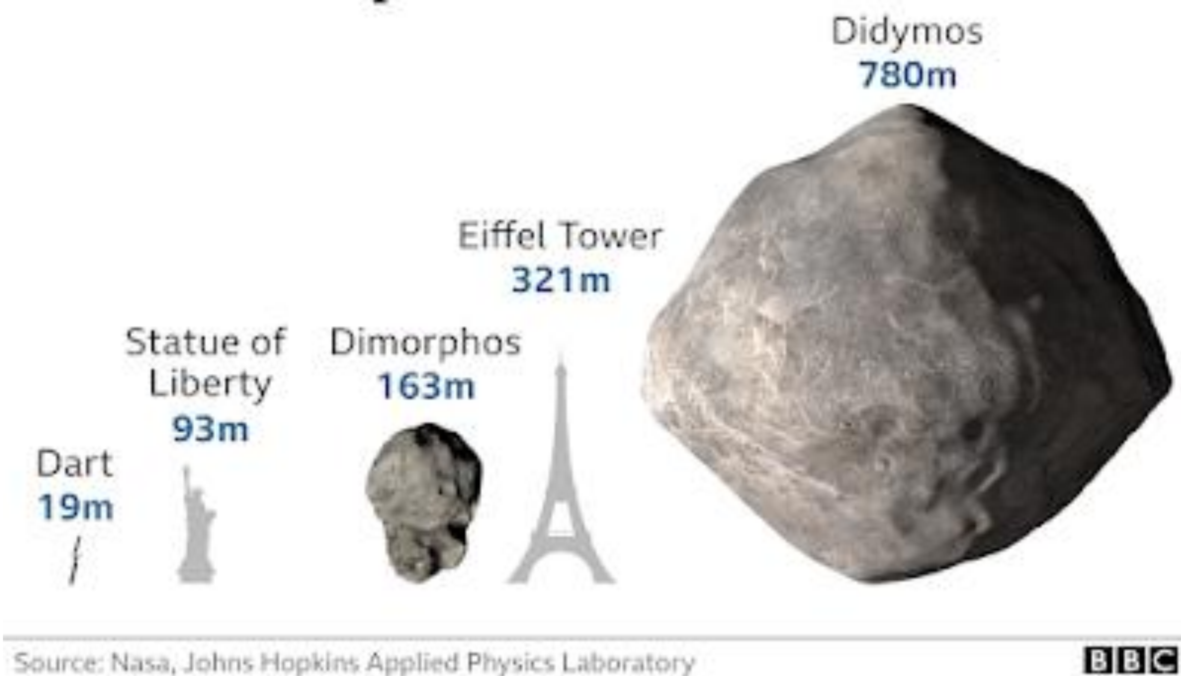
करीब 32 करोड़ अमेरिकी डॉलर के डार्ट मिशन, एस्टेरॉयड के एक जोड़ी के निशाना बनइतई जे इ वक्त एक-दूसरा के परिक्रमा कर रहले ह। ऐसन परिक्रमा के बाइनरी कहल जा हई। इ दुनू में से बड़का एस्ट्रॉयड के नाम हईडिडिमोस, जे करीब 780 मीटर में फैलल हई. डिमोफ़ोर्स करीब 160 मीटर चौड़ा हई.

डिमोफ़ोर्स के आकार वाला एस्टेरॉयड के पृथ्वी से टकराये के बाद, कई परमाणु बम के ऊर्जा जेतना असर होतई। एकरा से लाखों के जान जा सक हई. लेकिन 300 मीटर और एकरा से अधिक चौड़ाई वाला एस्टेरॉयड तो पूरे के पूरे महाद्वीप तबाह कर सकले ह। आउ एक किलोमीटर के आकार वाला पिंड तो

पृथ्वी के ख़तरा में डाल सकले ह। डार्ट प्रक्षेपण के बाद सितंबर 2022 तक अंतरिक्ष में घूमते रहतई आउ फिर पृथ्वी से 67 लाख मील दूर जाके अपन लक्ष्य के निशाना बनइतई।

डार्ट लगभग 15,000 मील प्रति घंटा के गति से (6.6 किमी/सेकेंड) की गति से डिमोफ़ोर्स से टकरैतयी। एकरा से डिमोफ़ोर्स के दिशा कुछ मिलिमीटर ही बदले के आसार हई। अगर इ हो जईतई त, ओकर कक्षा बदल जईतई।

इ एक बहुत ही छोटा परिवर्तन लग सकले ह लेकिन एक एस्टेरॉयड के पृथ्वी से टकराये से रोके ला बस एतने करे के जरूरत हई। हालांकि एतना करना भी आसान न हई।



पृथ्वी के निकट मौजूद एस्टेरॉयड

नासा के इ मिशन के प्रोग्राम साइंटिस्ट टॉम स्टेटलर कह हथीन , "बड़ एस्टेरॉयड के तुलना में, अंतरिक्ष में बहुत सा छोटा एस्टेरॉयड हई आउ ओहि से सबसे अधिक संभावित ख़तरा भी एखनिये से हई। "

साल 2005 में, अमेरिकी कांग्रेस नासा के पृथ्वी के निकट मौजूद 90% फ़ीसदी एस्टेरॉयड के ट्रेक करे के निर्देश देलके हल जेकरा से पृथ्वी के संभावित ख़तरा हो सका हई। नासा एकरा से में अब तक केवल 40% कइ ही पहचान कर पैले ह।

डार्ट पर ड्रेको नाम के एक कैमरा भी है जे अपन मिशन के फोटो लेतइ ताकि अंतरिक्ष यान के डिमोफ़ोर्स से टकराये ला सही दिशा के पता चलते रहे।

अपन लक्ष्य के भेदे से लगभग 10 दिन पहिले डार्ट, लिसियाक्यूब नामक एगो छोटा सैटेलाइट के इस्तेमाल करतयी। इ छोटा यान टकराये के बाद के फोटो वापस भेजतयी।



डिमोर्फोस के घूमे के रास्ता में छोटा सा परिवर्तन के भी पृथ्वी पर दूरबीनों के ज़रिए नापल जैतई। टॉम स्टेटलर क ह हथीन , "हमनी वास्तव में जानेला चाह हिययी कि का हमनी सही में एस्टेरॉयड के कक्षा के बदल देलियई हे आउ अगर हां त हमनी इ केतना कुशलता से कैलियई हे ?"

अइसन परीक्षण ला इ एक दुरुस्त प्रयोगशाला हई। इ प्रयोग से डिमोर्फ़ोस के अपना रास्ता लगभग 1% बदल लेना चाहि. लेकिन एकर सही-सही पता यहाँ पृथ्वी पर मौजूद दूरबी से कई हफ्ता या महीना में चलतइ। इ बात पर भी अनिश्चितता हई कि डिमोफ़ोर्स डार्ट से टकराये के बाद कैसे व्यवहार करतय काहे कि हमनी एकर अंदर के संरचना के बारे में न जनही। यदि डिमोफ़ोर्स अंदर से ठोस हई त ज़ाहिर है कि बहुत सा मलबा निकलतयी, जेकरा से एकरा एक अतिरिक्त धक्का लगतयी।

(आभार बीबीसी हिंदी)

विज्ञान

कार्टून के कोना

(साभार : कीर्तीश आउ बी बी सी हिंदी)



संवाद

(सत्य नारायण सिंह)

नेता जी से संवाद:

अपने मगह के नेता हथि, अपने जदि मगही ला पार्लियामेंट में आवाज़ न उठायीथीन त कैसे होताई? इ तोर माटी के क़र्ज़ हो जेकरा तोरे उतारे पडतो। संसद में मगही ला आवाज बुलंद कर हु। जितना हो सके जनता से मगही में संवाद करहु। मगही के हमेशा आगे रख के काम करहु। मगही हो त हमनी ही एहि विचारधारा के आगे बढ़ा हु।

आईएएस, आईपीएस से संवाद:

मगह हर साल बहुत सा आईएएस, आईपीएस दे है, लेकिन ओकरा से मगही के कुछ खाश फ़ायदा न हो रहले ह। तु बन गेलु लेकिन अपन मगही ला का कैलु? कुछ फ़ायदा होलइ ओकरा से तोर अपन माटी के? कुछ न। तोरा लोग सुन हो त तोरा सब के मगही में बोले ला आउ लिखिला प्रोत्साहित करे के चाही। कम से कम मगही ला आगे आवे के चाही।

सरकारी कर्मचारी से संवाद:

तू सरकार के चेहरा हु जनता ला,तु जनता से मगही में बात कर सकलु ह। जनता के भी प्रोत्साहित कर सक्लु हे। कोई मगही में तोरा से बात करे त ओकरा हिन् भावना से मत देख हु। उ मगही के स्मिता के सिपाही हइ, ओकरा सम्मान देहु। काम में प्राथमिकता न दे सकहू त कोई बात न पर दुत्कारहु मत। तोरो कुछ फ़र्ज़ हइ मगह के प्रति। अगर मगह में रहे के हो त मगही संवाद करे पडतो।

युवा छात्रगण से संवाद:

तु मगह के न प्रान्त औ देश के भविष्य हु, सही बात हई पर तू ही मगह आउ मगही के भी भविष्य हु इ बात याद रखी ह । तोरे पर सब दारो -म-दार हो। अपन मगही के बिसर मत। साथे चले द। भविष्य जरूर बनाव लेकिन मगही के छोड़ के न। मगही एगो तमगा हई जी। सब ब न नौकरी क र, बिज़नेस क र, मल्टीनेशनल कंपनी के सीईओ बन जा लेकिन मगही रखS साथ में। सोसल मिडिया पर मगही के प्रओग करा। अगर मेन प्रोफाइल से मगही लिखे में दिकत बुझाये त दूसर प्रोफाइल प्रयोग क र। मगही के पॉपुलर करे के जिम्मेवारी ल।

कवी, साहित्यकार (रचनाकार) से संवाद:

बहुत कविता आउ साहित्य के रचना कइलथिन अपने, बहुत निमन। लेकिन तोरा का ल ग हो मगही में जनता न हई ? मगही जनता के तोर रचना मगही में पढ़े सुने के अधिकार न हई ? त ? मगही में कंटेंट बनाथिन ओकरा सोशल मिडिया से जनता तक ले के जाथिन फिर देखथिन। समय आगेलो हे निज भाषा मगही में अपन बात रखे के।

अभिवावक गण से संवाद:

घर में मगही बात करहु। बच्चन के प्रोत्साहित कर हु सीखा हु। मगही पिछड़ हई हमनी के वजह से। मगही बोले में गर्व अनुभव कर हु। लदान हिंदी इंगलिश सीखे जरूरी हई लेकिन मगही भुलादे बहुत गलत। लड़कन के मगही कंटेंट टीवी पर देखाहु। मगही में कहानी सुना हु कविता आउ गीत सुना हु। शादी बिआह में होवे वाला गीत सुने ला प्रोत्साहित कर हु। मगही अपन संस्कृति हई एकरा अपन अगला पीढ़ी तक गर्व से पहुंचा हु।

कहानी

अमरपाली आऊ गौतम बुद्ध

(सम्राट लोकेश महतो)

अमरपाली वैशाली के परसिध निरतक हलखिन। उ गौतम बुद्ध के समय के हलखिन। अमरपाली बहुते सुनर हलखिन। अयसन कहल जा हय कि जे उनखरा के देख ले हलय उ उनखा पर मुग्ध हो जा हलय। अयसन कहल जाय है कि मगध सम्राट अजातशत्रु भी उनखरा से चुपके से प्रेम करो हलखीन।

एक दिन महात्मा बुद्ध अपन ज्ञान देले वैशाली पहुंचलखिन। इ बतीया सगरो फैल गेलय कि गौतमबुद्ध वैशाली अयलखिन। गौतम बुद्ध एतना प्रभावशाली हलखिन कि सब उनखा से परभावित हो जा हलय। इहे चलते अमरपाली भी उनखरा मिलेल चाहो हलखिन। अमरपाली अपने से गौतम बुद्ध के पास जाके उनखा अपन घारा पर खाय ले नौता देलखिन। गौतम बुद्ध करुणा के स्वामी कहलखिन कि हम अयबो। जब इ बात गौतम बुद्ध के अनुयाई के पता चललय कि एक नाचे बली के यहां गौतम बुद्ध खाय ले जयथिन तौ उ सभे एकर विरोध कय्लखिन।

तब गौतम बुद्ध कहालखिन-"हम्मे तो खली उनखर परेम देखलिय। उ जे भाव से हमरा खाय ले बोलयलखिन उ भाव एकदम पवितर अउ बिना छल कपट के हलय। उ हमरा से मिलेले एगो नाचेबली बनके नय, बलकी एगो भक्त बन के अयलखिन, तौ हम कैसे

तब गौतम बुद्ध कहालखिन- "हम्मे तो खली उनखर परेम देखलिय। उ जे भाव से हमरा खाय ले बोलयलखिन उ भाव एकदम पवितर अउ बिना छल कपट के हलय। उ हमरा से मिलेले एगो नाचेबली बनके नय, बलकी एगो भक्त बन के अयलखिन, तौ हम कैसे उनखर नउता नय लेतिये हल।"

जब गौतम बुद्ध अमरपाली के घारा खाय ले निकललखिन ओकर पहले से ही अमरपाली भोजन के सारा वेबस्था करके उनखा आवे के परतीक्षा कर रहालखिन हल। उ मने मने इहो सोच रहालखिन हल कि भले उ बोल के नय आखीन। लेकिन थोड़े देरी बाद उ जब गौतम बुद्ध के अयते देखलखिन तो उ बड़ी परसन्न होलखिन । उ दौड़ के गेलखिन अउ गौतम बुद्ध के गोड़ लगलखिन। फिर उ बड़ी परेम भाव से गौतम के खाना खिलैलखिन। उ मने मने कान रहलखिन हल अउ मने मे इ सोच रहलखिन कि एगो नाचेबली के यहां एतना बड़ा जोगी खा रहलखिन जेकर सरण मे मगध सम्राट बिम्बिसार अउ अजातशत्रु भी अवो हखिन।

इ देख के गौतम बुद्ध के शिषयन मे अपन गुरु के परति और परेम भाव बढ गेलय अउ अमरपाली सदा के लिए गौतम बुद्ध के सरण मे आ गेलखिन।



अब जब की पत्रिका के शुरुआत हो गेलो हे, त अपने सब भी अपन रचना भेजे में कोई कोताही नै कॅरियहो। झट पट लिख के हमरा पठा देहो।

ईमेल आइडी हको:

astra.satya@gmail.com





एकंगर मगही | Ekangar Magahi

@EkangarMagahi · 526 subscribers · 94 videos

नमस्कार, >

twitter.com/EkangarMagahi

Customize channel   Manage videos

For Magahi content visit:

https://www.youtube.com/@EkangarMagahi